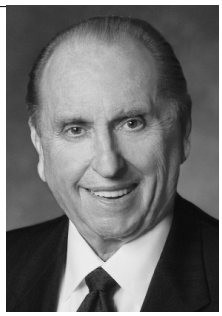

अध्यक्ष थॉमस एस.मॉनसन द्वारा

हमारे पूवर्जो के विश्वास की सच्चाई

जॉन लिंफॉड जब वह 43 के थे उसने और उसकी पत्नी, मरिया, उने के तीन बेटों ने ग्रविली, इंगलैड में अपने घर को छोड़ने का, हजारों मील महान सॉल्ट लेख को संतों की वर्ष में शामिल होने का फैसला किया था । उन्होंने अपने चौथे बेटे को पीछे छोड दिया,जो मिशन में सेवा कर रहा था,अपना समान बेच दिया,और लीवरपुल विदेश *Thornton* जाने वाले जहाज का मार्ग लिया था ।

समुद्री यात्रा से होते हुए न्यु यॉक शहर गए,और फिर भूमिगत से होते हुए आएओवा,जाना घटनाराहित साबित हुआ था । परेशानियां की शुरुआत हुई, हालाँकि, कुछ ही देर बाद लिंड़फॉड और दूसरे अंतिम दिनों के संत जो *Thornton* द्वारा जल यात्रा कर पहुंचे थें ने, जूलाई 15, 1856 आएवोह शहर छोड़ दिया था, जेम्स जी. विली की हाथ गाड़ी कम्पंनि के दुर्दशा के रुप में ।

खराब मौसम और कठिन यात्रा ने उन में से बहुतों से कंपनि में टोल लिया गया था, जिसमें जॉन भी शामिल था । अतंतः उसके हाथ गाड़ी खीचने से वह जिससे दूभाग्यवश बहुत बीमार और कमजोर हो गया । तकरीबन कम्पनि वॅओमी पहुंच गई थी, सारगर्भिता से उसकी दशा बिगड़ गई थी । एक बचाव समुह सॉल्ट लेक शहर से,अक्टूबर 21, घण्टे भर बाद पहुंचा था जब जॉन की नाशवर यात्रा का अन्त हो गया था । वह स्वीटवाटर नदी के तट के पास उसी सुबह उसकी मृत्यु हो गई थी ।

क्या जॉन को उसके आरामदायक चलन और सुविधा को संर्घष करने के लिये छोड़ने का,असुविधा,और कठिनाओ से भर रास्ते से, अपने परिवार का सियोन की ओर ले जाने का पछतावा था ?

"नहीं, मरिया," उसने अपनी पत्नी को मरने से पहले कहा था । "मुझे खुशी है हम आएं । मैं शायद सॉल्ट लेक न पहुंच पाऊं, परन्तु तुम और बेटे पहुंचेंगे, और मुझे इन सब से गूजरने का कोई पछतावा नहीं है यदि हमारे लड़के उन्नति करेंगे और सियोन में अपने परिवार को बढ़ाएंगे ।"[1]

मरिया और उसके बेटो ने उन की यात्रा पूरी की । जब मरिया की मौत हुई लगभग 30 कीमती बाद गुजर गए थें, उसके और जॉन ने पीछे विश्वास,सेवा का, भक्ति का, और त्याग करने की परम्परा को छोड़ा था ।

अंतिम दिन के संत होना ही एक पथप्रदर्शक होना है, एक पथप्रदर्शक की परिभाषा के लिए एक जो पहले जाकर दूसरों को अनुसरण करने के लिये रास्ता तैयार करता या खोलता है ।[2] और एक पथप्रदर्शक होना बलिदान करने के साथ परिचित होता है । यधपि गिरजा के सदस्य को अब अपने घरों को छोड़कर सियोन की ओर यात्रा करने की कोई जरुरत नहीं है, उन्हें अक्सर अपनी पुरानी आदतों, पुराने रीतिरिवाजों, और प्रफुल्लित दोस्तों को पीछे छोड़ने की आवश्यकता है । कुछ ने अत्यंत दुखदायी निणार्य अपने परिवार सदस्य को छोड़कर लिये है जिन्होंने उनकी गिरजे की सदस्यता का विरोध किया । अंतिम दिन के संत आगे बढ़ते हैं, इसलिए,उन कीमती लोगों के लिए प्रार्थना करते रहो जो अब भी समझेंगे और ग्रहण करेंगे ।

पथप्रदर्शक का रास्ता सरल नहीं है, लेकिन हम मौलिक पथप्रदर्शकों के पदचिन्हों का अनुसरण कर–यहां तक उद्धारकर्ता का–जो हमें अनुसरण करने का रास्ता पहले दिखाकर, चले गएं ।

"आओ, मेरा पीछे हो लो,"[3] वह आंमत्रण देता है ।

"मैं ही रास्ता, सच्चाई,और जीवन हूं,"[4] वह घोषणा करता है ।

"मेरे पास आओ,"[5] वह बुलाता है ।

तरीके की कोशिश की जा सकती है । कुछ को उन मुर्खो के उपहास करने और अरुचिकर संवादों की टिपण्णी से जो सदाचार ,इमानदारी, और परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने पर परिहास करते हैं के साथ खड़े होने पर कठिनाई होती है । संसार हमेशा से नियमों का निरआदर करता आया है । जब नूह को एक नाव बनाने का निर्देशन दिया था, मूर्ख लोगों ने घटा-रहित आसामान को देखा और तब व्यंग्य और मजाक उड़ाया था–तब तक जबतक बारिश न आई ।

वर्षो पहले अमरिका महाद्वीव पर, लोगों ने शंका की,विवाद किया,और अनादर किया जबतक जरहमेला अग्नि से भस्म न हुआ, पृथ्वी ने मरोनीहा को ठक दिया, और पानी ने मरोनी को निगल लिया था । उपहास, परिहास,अशिष्ट भाषा,और कोई पाप नहीं बचा था । उन्हें उदास शन्ति द्वारा,भयानक अंधकार में परिवर्तित कर दिया गया था । परमेश्वर का धैय खत्म हो गया, उसका समयकाल पुरा हुआ था ।

मरिया लिंफॉड ने कभी भी अपना विश्वास नहीं खोया था इंगलैड में यातनाओं के बाद भी, उसने कठिनाईओ से भरी यात्रा की ''उस.... स्थान के लिए जिसे परमेश्वर ने तैयार किया था,"[6] और पश्चात आगामी परिक्षाएं उसने उसके परिवार और गिरजा के लिये अन्त तक सही थी ।

1937 में मरिया की दफनने की गतिविधि में कब्रिस्थान में, एलडर जॉर्ज एलबट स्मिथ (1870–1951) ने उनके वंश से पूछा थाः ''क्या आप पूर्वजों के सच्चाई के विश्वास को जी रहे हैं ? ... क्या आप उनके सारे बलिदानों को आप के लिये 'जज'ी किए थें का रखने के योग्य प्रयत्न कर रहे हैं । ''[7]

जैसे हम सियोन को अपने दिलों में, अपने घरों में,अपने समाजों में,और अपने दशों में, बनाने के लिये खोजते हैं,क्या हम दृढ़ संकल्प और उन के विश्वास को जिन्होंने अपना सब कुछ दे दिया कि हम पुनस्थापित सुसमाचार की आशीषों का आनन्द ले सकें,उसकी आशा और यीशु मसीह के प्रायश्चित द्वारा किया गएं वादो के साथ स्मरण करते हैं ।

टिपण्णीयां

1. देखें Andrew D. Olsen, *The Price We Paid* (2006), 45–46, 136–37 ।
2. *The Compact Edition of the Oxford English Dictionary* (1971), "pioneer." ।
3. लूका 18:22 ।
4. यहून्ना 14:6 ।
5. यहून्ना 7:37; इसभी देखें 3 नेफी 9:22 ।
6. "Come, Come, Ye Saints," *Hymns*, no. 30 ।
7. देखें Olsen, *The Price We Paid*, 203–4 ।

इस संदेश से शिक्षा देना

विचारे उनसे पुछे जिन्हें आप शिक्षा देते हैं उनके बारे में सोचे जो पूर्व आकर चलें गऐ और उन के लिये पथप्रदर्शक थें । तब उन से पूछे कब वे पथप्रर्दशक बनेंगे और दूसरों के लिये रास्ता तैयार करेंगे । उन्हें आमंत्रण कर उस क्षण पर चिन्तन करने दें जब उन्होंने त्याग किया था और क्योंकर वह उचित था । तब आप उन्हें उद्धारकर्ता की ''खास पथप्रदर्शक," की गवाही का लेखा रखने के लिये उन्हें चुनौती दे सकते हैं ।

युवा

उनके विश्वास की सच्चाई

अध्यक्ष मॉनसन ने एक पथप्रदर्शक परिवार की एक कहानी सुनाई और तब अध्यक्ष जॉज एलबर्ट स्मिथ का संदर्भ दियाः ''क्या आप अपने पथप्रदर्शकों के विश्वास की सच्चाई को जीते हों ?... आप के प्रति उनके किये गए सारे बलिदानों को योग्यता से रखने का प्रयत्न करते हैं ।'' चाहे आप पथप्रदर्शक के वशं के हो या गिरजा की सदस्यता के पहले वशंज, क्या आप विस्वास के उदाहरणों के लिये मार्गदर्शन और सामर्थ्य का खोजते हो । यहां पर आप को आरम्भ करने के लिये कुछ अच्छे तरीके है :

1. लोगों की एक सूची बनाएं जिनकी आप प्रशंसा करते है । वे चाहे आप के परिवार के सदस्य,दोस्त,गिरजा मार्गदर्शक,या धर्मशास्त्रों में से लोग (भूतकाल या वर्तमान) हो सकते हैं ।

2. लिखें उनके गुण जिनको आप पसन्द करते हैं । क्या आपकी माँ वास्तविक्ता में धैयवान थी ? शायद आपके मित्र दूसरों के प्रति करुणावान थें । शायद आप कप्तान मरोनी के हौसले के कायल हो ।

3. सूची में से एक गुण ले और अपने आप से पूछें, ''मैं कैसे इस तरह के गुण अपना सकता हूं ? मुझे ऐसा क्या करने की जरुरत है इस अपने जीवन में अपनाने के लिए ?

4. इस गुण को अपनाने के लिए आपकी क्या योजना है को लिखें और उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से आप उसे अकसर देखें,जो आप को आप के उदेश्य स्मरण कराएंगा । स्वर्गीय पिता से सहायता के लिये प्रार्थना करें और अपनी प्रगति को रोज़ना जांचे । जब आप को लगे की यह गुण पयाप्त विकसित हो गया है, आप एक नया गुण लेकर उसपर काम कर सकते हैं ।

याद रखें कि जैसे हम अपने अन्दर महान गुणों को विकसित करते हैं,हम अपने पुवर्जो के विश्वास का और उनके किये बलिदनों का सिर्फ आदर ही नहीं करते है, परन्तु हम उन पर जो हमारे चारों तरफ है को अच्छाई के लिये प्रभावित भी कर सकते है ।

बच्चे

आप भी एक पथप्रदर्शक है !

पथप्रदर्शक वो लोग होते है जो दूसरो को अनुसरण करने के लिये रास्ता तैयार करते हैं ।

एक चित्र बनाएं या अपने एक पुवर्ज की तस्वीर ढूढ़े । आप को एक कहानी मिल सकती है कि कैसे उन्होंने आपके अनुसरण के लिये मार्ग तैयार किया था ? लिखें दो तरीके आप आज के पथप्रदर्शक बन सकते हैं ? आप अपने सुझाव अपनी अगली परिवार संध्या में बांट सकते है !

© 2016 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/15 । अनुवाद अनुमतिः 6/15 । *First Presidency Message, July 2016* का अनुवाद । Hindi । 12867 294

अभिभावकता के लिये हमारा सौभाग्य

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें । कैसे समझेंगे ''परिवारः संसार को एक घोषणा'' आपका परमेश्वर में विश्वास को बढ़ाएगा उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ?अधिक जानकारी के लिए, पर जाएं ।

विश्वास, परिवार, सहायता

''यह आवश्यक था कि परमेश्वर के बच्चों का नशवार जन्म हो और अनन्त जीवन के ओर बढ़ने के लिए मौका मिले,'' एलडर डेल्स एच.ओक्स बाहर प्ररितों के परिषद के ने सीखाया था । ''आनन्द की महान योजना की उचित उदेश्य की ज्योति में, मैं विश्वास करता हुं कि पृथ्वी पर और स्वर्ग में हमारे बच्चे और हमारी परम्परा वास्तविक खजाना है ।''[1]

एलडर नील एल. एंड्रसन बारह प्ररितों के परिषद के ने कहा थाः

"हम परिवारों में भरोसा करते हैं,और हम बच्चों में विश्वास रखते हैं ।...

"'...परमेश्वर ने [आदम और हव्वा] से कहा था, फलो और फूलो, और पृथ्वी पर भर जाओ' [उत्पत्ति 1:28] ।...

"अंतिम दिनों के संतों का यीशु मसीह गिरजा में इस आज्ञा को न ही भुलाया या इसे एक तरफ नहीं रखा है ।''[2]

हालाँकि हम सबों के लिये उचित नहीं है कि इस जीवन में अभिभावक बने, हम हर उम्र के बच्चो को पोषित कर सकते है । हम स्वर्गीय पिता के परिवार के सदस्य के रुप में आशीषों का आनन्द लेते है,और हम संसारिक परिवार के सदस्य के रुप में खुशीयों और चुनौतियों का अनुभव करते हैं । और बहुतों के लिए, अभिभावकता उनका इन्तजार अनन्तता में करता है ।

अतिरिक्त धर्मशास्त्र

भजन सहिता 127:3; मत्ती 18:3–5; 1 नेफी 7:1; Moses 5:2–3

जिन्दा कहानियों

"बहुत सी आवाजें आजकल संसार में बच्चे होने की महत्वता को दरकिनारे कर देती है या देरी से करने का या परिवार में सीमित बच्चों के होने का सुझाव देती है,'' एलडर एंड्रसन ने कहा था ।''मेरी बेटी ने हाल ही में मुझे पांच बच्चों के साथ की एक मसीही माता (हमारे विश्वास की नहीं) द्वारा लिखा एक बॉल्क का संदर्भ दिया था । उसने टिप्पणी की थीः इस संस्कृति में '[बढ़ना], मातृता पर बाइबल का दृष्टिकोण पाना यह अन्यन्त ही कठिन है । ... बच्चों की मात्रा विधालय के तरीके से नीचे है । सत्यता संसार यात्रा से भी कम है । अपनी फुरसत के समय रात में बाहर जाने की योग्यता से भी नीचे है । जिम में अपने शरीर को पेना करने से भी नीचे है । कोई भी नौकरी आप के पास है या पाने की आशा रखने से भी नीचे है ।' तब वह आगे जोड़ती है :'मातृता कोई शोक नहीं, यह एक बुलाहट है ।आप बच्चो को इक्टठा नहीं करते है क्योंकि आप उन्हें छाप से अधिक आकृति मे पाएंगे । इस में ऐसा कुछ नहीं करते है कि आप समय को समेटकर भीतर ला सकते है । यह वही है जिसे परमेश्वर ने आपको समय के लिये दिया है ।'''[3]

टिपण्णीयां

1. Dallin H. Oaks, "The Great Plan of Happiness," *Ensign*, Nov. 1993, 72, 75 ।
2. Neil L. Andersen, "Children," *Liahona*, Nov. 2011, 28 ।
3. Neil L. Andersen, "Children," 28 ।

इसे विचारे

हमारा पृथ्वी का परिवार किस तरह से स्वर्गीय परिवार की तरह समान है ?

© 2016 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/15 । अनुवाद अनुमतिः 6/15 । *Visiting Teaching Message, July 2016* का अनुवाद । Hindi । 12867 294